

व्यापार की शर्तों से क्या आशय है?

जिस दर पर एक देश की वस्तुओं का विनिमय दूसरे देश की वस्तुओं से होता है उसे व्यापार की शर्तें (Terms of Trade) कहा जाता है। अन्य शब्दों में, दो देशों में दो वस्तुओं के व्यापार का विनिमय अनुपात का संबंध व्यापार की शर्तों से होता है। अतः जब दो या दो से अधिक वस्तुओं का व्यापार किया जाता है तो हम कह सकते हैं कि व्यापार की शर्तों का संबंध उस दर से होता है जिन पर आयातों और निर्यातों का विनिमय किया जाता है। संक्षेप में, व्यापार शर्तें निर्यात कीमतों और आयात कीमतों में संबंध व्यक्त करती हैं। डॉ० मार्शल ने व्यापार की शर्तों के लिये 'विनिमय दर' प्रो० टार्जिंग ने 'शुद्ध अदल बदल व्यापार शर्त' तथा प्रो० पीगू ने इसे 'विनिमय की वास्तविक दर' कहा है किसी देश के लिये व्यापार की शर्तें दो प्रकार की हो सकती हैं प्रतिकूल व्यापार की शर्तें। अनुकूल व्यापार की शर्तें ।

अनुकूल व्यापार की शर्तें (Favourable Terms of Trade) : एक देश के लिये व्यापार की शर्तें उस समय अनुकूल होती हैं जब उसके आयातों के मूल्य की तुलना में उसके निर्यातों का मूल्य अधिक होता है। दूसरे शब्दों में, जब एक आयात की दी हुई मात्रा के लिये कम वस्तुओं का निर्यात किया जाता है, तो व्यापार की शर्तें

अनुकूल होती है। (2) प्रतिकूल व्यापार की शर्तें (Unfavourable Terms of Trade) : एक देश के लिये व्यापार की शर्तें उस समय प्रतिकूल होती हैं जब उसके निर्यातों के आयातों का मूल्य अधिक होता है। दूसरे शब्दों में, एक दी हुई आयात की मात्रा के लिये अधिक वस्तुओं का निर्यात किया जाता है तो व्यापार शर्तें प्रतिकूल होती हैं। मूल्य की तुलना में अतः स्पष्ट है कि दो व्यापार करने वाले देशों में यदि व्यापार की शर्तें एक देश के अनुकूल हैं तो वे दूसरे देश के प्रतिकूल होंगी।